प्रवेश संवाद

चुप न रहें संवाद करें

#Digital Edition

सागर, सोमवार, 20 अप्रैल 2026

जुआरी प्रशासन तंत्र : झमटुली ग्राम पंचायत का मामला; तस्वीरें वायरल, सिस्टम पर उठे सवाल

पंचायत सचिव बेखौफ खेल रहे ड्यूटी पर जुआ, कौन संभालेगा पंचायत

समीर अवस्थी ❀ खजुराहो

छतरपुर जिले से एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है,जो सिर्फ एक कर्मचारी की लापरवाही नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। मामला झमटुली ग्राम पंचायत का है, जहां पंचायत सचिव राजेंद्र पांडेय अपने कर्तव्यों से दूर ड्यूटी के दौरान जुआ के खेल में मशगूल नजर आए।

सरकार के दावे झूठे, बेखौफ कर्मचारी : जहां एक ओर सरकार गांवों के विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही की बात करती है, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को दरकिनार करते हुए नजर आ रहे हैं। सामने आई तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि पंचायत सचिव हाथ में ताश लिए हुए हैं, जमीन पर बाजी सजी हुई है और सरकारी जिम्मेदारी कहीं पीछे छूटती दिख रही है।

यह दृश्य कई गंभीर सवाल खड़े करता है

- क्या सरकारी कर्मचारी को इसी काम के लिए वेतन दिया जाता है ?
- क्या यही है ग्रामीण विकास की जमीनी हकीकत?
- और क्या जिम्मेदारी निभाने का यही तरीका रह गया है?

ग्रामीणों में आक्रोश

स्थानीय ग्रामीणों में इस घटना को लेकर आक्रोश साफ दिखाई दे रहा है। लोगों का कहना है कि जो अधिकारी खुद नियमों की अनदेखी करता है,वह गांव के विकास को कैसे सुनिश्चित करेगा। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत में कई जरूरी काम लंबित पड़े हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अपनी ड्यूटी को गंभीरता से नहीं ले रहे।

ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की

ग्रामीणों की मांग है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मचारी पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और पंचायत की छवि धूमिल न हो। साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस 'ताश वाली हकीकत' को कितनी गंभीरता से लेता है। क्या इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई होगी, या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में चला जाएगा यह देखना बाकी है। यह घटना एक चेतावनी है कि अगर जमीनी स्तर पर जिम्मेदार लोग ही अपने कर्तव्यों से भटक जाएं, तो विकास की योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाएंगी। प्रशासनिक जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित करना अब बेहद जरूरी हो गया है।

दो युवकों की मौत के बाद परिजन ने चक्काजाम किया, जताई हत्या की आशंका, जांच शुरू

प्रवेश संवाद ❀ छतरपुर

रविवार को गढ़ीमलहरा में चक्काजाम की स्थिति की कई घंटों तक बनी रही। शनिवार को टैंक में पेंटिंग करते समय दो युवकों की मौत हो गई थी। इनके परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से मामला दर्ज करने की मांग की। चक्काजमनके दौरान कई घंटों तक सागर कानपुर हाईवे बाधित रहा। परिजनों के अनुसार युवकों की मौत संदिग्ध है उन्हें मौत के बाद सूचना दी गई जब युवक जिला अस्पताल पहुंच गए थे। इनके शरीर झुलसे हुए थे जिन्हें करंट लगाकर मारा गया है। परिजनों ने कुछ लोगों के नाम बताए जिनसे मृतक के संबंध थे। मृतक अरमान के भाई अनुसार प्रेम प्रसंग के मामले में हत्या की गई है। वही गढ़ीमलहरा टीआई रीता सिंह ने बताया कि परिजनों के कथन लिए जा रहें है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। मामले में हर स्तर की जांच होगी।B

संगरोन के पास खड़ी कार से टकराई बाइक, युवक घायल

- डायल 112 से घायल को अस्पताल में कराया भर्ती

प्रवेश संवाद ❀ मगरोंन

थाना क्षेत्र के संगरोन के पास सड़क किनारे खड़ी एक कार से मोटरसाइकिल टकरा जाने से एक युवक घायल हो गया। घायल की पहचान प्रेम लाल पटेल (30) पिता गोविंद पटेल निवासी कनोरा रासमनगर के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संगरोन के पास यह हादसा उस समय हुआ जब मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी कार से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार प्रेम लाल पटेल घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 के माध्यम से एएसआई राधे प्रसाद और पायलट भूपेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां उसका उपचार किया गया।

7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का सुदामा चरित्र के साथ हुआ समापन

जितने विवाह ठाकुर जी ने कृष्णा अवतार में किए उतने किसी अवतार में ठाकुर जी ने नहीं किए : कथा व्यास

अनबर खान ⁂ बटियागढ़

नगर के भारतीय स्टेट बैंक के पीछे डाक्टर कमलेश गौतम एवं उनके परिवार के सहयोग से चल रहे सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का रविवार को समापन हुआ। भागवत कथा में चार वेद, पुराण, गीता एवं श्रीमद् भागवत महापुराण की व्याख्या, मलूक पीठाधीश्वर श्री स्वामी राजेंद्रदास जी महाराज के कृपा पात्र महंत रसराज दास जी महाराज के मुखारवृंद से उपस्थित भक्तों ने श्रवण किया।

आज की कथा में कथा व्यास महराज जी ने श्री कृष्ण और जामवंत युद्ध, जामवंती विवाह, सत्यभामा विवाह एवं ठाकुर जी के जितने विवाह हुए सभी विवाह की कथा संक्षिप्त में श्रवण कराई। भगवान के 16 हजार 108 विवाह हुए, सभी के यहां 10-10 पुत्र हुए इस तरह से करोड़ों की संख्या में यदु वंश का विस्तार हुआ।

सुदामा जी महराज गरीब नहीं थे, ना ही दरिद्र थे, सुदामा जी महराज ठाकुर जी के निष्काम भक्त थे। महराज जी ने सुनाया कि द्वारकाधीश के दर्शन करने से दरिद्र से दरिद्र आदमी धनवान हो जाता है। सुदामा जी महराज पोटली में चावल बांधकर द्वारकाधीश भगवान के दर्शन के लिए निकले हैं। जैसे ही भगवान ने सुदामा नाम सुना भगवान दौड़े तो कहीं भगवान का मुकुट तो कहीं भगवान का पीताम्बर कोई सुध नहीं रही भगवान को, और भगवान ने सुदामा जी महराज को उस सिंहासन पर बैठाया जिसके लिए देवता भी तरसते हैं। भगवान ने सुदामा के चरणों को अपने आशुओं के जल से धोया।

इस तरह से भगवान की और सुदामा जी महराज की विभिन्न चर्चाएं हुई, तभी भगवान ने सुदामा जी महराज से पूछा कि मेरे लिए भाभी जी क्या भेजा, तो सुदामा जी अपनी चावल की पोटली छुपाने लगे भगवान ने पोटली छीनी और और ठाकुर जी प्रेम के भूखें, प्रेम के तंदुल, प्रेम से खाने लगे। महराज जी ने कहा कि रुक्मणी जी कह रही है भगवान प्रसाद हमे भी खाने दो कथा व्यास ने सुनाया कि प्रसाद हमेशा बांट कर खाना चाहिए। इस तरह से भगवान की अनेक कथाएं हैं।

इस सात दिवसीय भागवत कथा में आस-पास गांव के अलावा दूर दराज से काफी संख्या में महिला-पुरूष भक्तों ने इस कथा का आनंद उठाया। सात दिनों तक इस कथा में पूरा वातावरण भक्तिमय रहा। आज़ कथा के मध्य में बटियागढ़ थाना प्रभारी श्रीमती रजनी शुक्ला, पूर्व जनपद सदस्य ऋषि पटेल कथा श्रवण करने पहुंचे एवं कथा व्यास महराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कथा के मुख्य श्रोता केशवराम गौतम श्रीमती विमला गौतम कथा आयोजक डॉ. कमलेश गौतम और महेश गौतम सहित समस्त गौतम परिवार, आज की कथा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। सभी भक्तों से कथा व्यास श्री रसराजदास जी महराज ने श्रीमद्भागवत कथा का भंडारा प्रसाद पाने के लिए कहा और सभी भक्तों को सोमवार को दोपहर 1 बजें आमंत्रित किया।

बिजावर में भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन में 200 जोड़े बंधे वैवाहिक बंधन में

प्रवेश संवाद ⁂ छतरपुर

जिले के बिजावर नगर स्थित श्री जानकी निवास मंदिर में आज मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन का सफल आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर लगभग 200 जोड़ों ने वैदिक विधि-विधान के साथ विवाह संस्कार पूर्ण कर अपने नए जीवन की शुरुआत की। कार्यक्रम सामाजिक समरसता, सहयोग और भारतीय संस्कारों का प्रेरणादायक उदाहरण रहा। विवाह समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने नवविवाहित जोड़ों को सुखद एवं समृद्ध दांपत्य जीवन के लिए आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर बिजावर विधायक राजेश शुक्ला, जनपद अध्यक्ष पूजा आशीष दुबे, नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी वीर सिंह यादव, शशिकांत अग्निहोत्री सहित प्रशासनिक अधिकारी जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया, एसडीएम विजय द्विवेदी, तहसीलदार अभिनव शर्मा, जनपद सीईओ अंजना नागर, सीएमओ संतोष सेनी, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी राजकुमार बागरी सहित अनेक गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के अंत में सभी नवदंपत्तियों को उज्वल भविष्य एवं सुखमय वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी गईं।

बाल विवाह रोकथाम के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर पर सूचना हेतु संपर्क नंबर किए गए जारी

प्रवेश संवाद ⁂ छतरपुर बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला छतरपुर द्वारा जिला एवं विकासखंड स्तर पर संपर्क व्यक्तियों एवं हेल्पलाइन नंबरों की सूची जारी की गई है। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना और बाल विवाह की सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करना है। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) में 8516841808 नंबर जारी किया गया है, जबकि जिला कॉल सेंटर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) भी 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। इसके अलावा आपात स्थिति में पुलिस हेल्पलाइन 112 पर भी संपर्क किया जा सकता है। विभिन्न विकासखंडों में भी जिम्मेदार अधिकारियों को नामित किया गया है, जिनमें जिला कॉल सेंटर 07682-181, वन स्टॉप सेंटर, महाराजपुर में नेहा जैन मो. 9752282671, राजनगर एवं खजुराहो में रजनी शुक्ला 9343219162, बिजावर में राजकुमार बागरी 9644332997, बक्स्वाहा में हेमलता सिंह 8462925204, गौरीहार में नसीर छीपा 9584913805, लवकुशनगर में अनुपम चतुर्वेदी 8889675564, छतरपुर (शहरी), बमीठा में विक्रम सिंह 9165848289, छतरपुर ग्रामीण, ईशानगर में कृपाल आठ्या 6266078721, नौगाँव में अनिल नामदेव 9644989418, बड़ामलहरामें सीमा पटेल 7224943859, घुवारा में अरुण प्रताप सिंह निरंजन मो. 9977280557 से संपर्क कर किसी भी संदिग्ध बाल विवाह की सूचना तुरंत दे सकते हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश दीक्षित ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले तो तुरंत इन नंबरों पर सूचना दें। समय रहते की गई सूचना से एक बालक या बालिका का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है।

'एमपी ई-सेवा' से डिजिटल गवर्नेंस को मिला सशक्त आधार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रवेश संवाद ⁂ छतरपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 'एमपी ई-सेवा पोर्टल और मोबाइल ऐप' के माध्यम से प्रदेश में डिजिटल गवर्नेंस को सशक्त आधार मिला है। इससे नागरिक सेवाएँ अब अधिक सरल, सुगम और सुलभ हुई हैं। डिजिटल तकनीक आज सुशासन की आधारशिला बन चुकी है और प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ते हुए देश में नई पहचान स्थापित कर रहा है। अब प्रदेशवासियों को विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक ही मंच पर सभी सुविधाएँ सहज, त्वरित और पारदर्शी रूप में उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल से सेवा वितरण प्रणाली अधिक जवाबदेह और सुव्यवस्थित बनी है। साथ ही नागरिकों के समय एवं संसाधनों की बचत सुनिश्चित हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह एकीकृत नागरिक सेवा मंच 56 विभागों की 1700 से अधिक सरकारी सेवाओं और योजनाओं को एक ही डिजिटल विंडो पर उपलब्ध करा रहा है।

वर्ष 2026 तक 100 प्रतिशत ई-सेवा डिलीवरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो प्रदेश को डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) के सेंटर फॉर एक्सीलेंस द्वारा विकसित यह प्लेटफॉर्म नागरिकों, विभागों एवं सेवाओं को एकीकृत डिजिटल इको-सिस्टम में जोड़ते हुए सुशासन को और अधिक प्रभावी तथा परिणामोन्मुख बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

एकीकृत पोर्टल पर सभी सेवाएँ: प्रक्रिया हुई सरल: एमपी ई-सेवा पोर्टल पर विभिन्न विभागों की 1700 सेवाओं को एकीकृत कर नागरिकों को बार-बार अलग-अलग पोर्टल पर जाने और दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता समाप्त की गई है। नागरिक अब ESEVA.MP.GOV.IN और मोबाइल ऐप के माध्यम से पात्रता जांच, आवेदन, स्टेटस ट्रैकिंग और अनुमोदन जैसी सभी सुविधाएँ एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं। पोर्टल पर आधार आधारित प्रमाणीकरण, ई-साइन और डिजिटल प्रमाणपत्र की व्यवस्था से पूरी प्रक्रिया पेपरलेस और फेसलेस बनाई गई है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि हुई है।

समग्र पोर्टल से एकीकरण: ऑटो-वेरिफिकेशन की सुविधा : 'एमपी ई-सेवा' को समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के समग्र पोर्टल से जोड़ा गया है। प्रत्येक परिवार को 8 अंकीय परिवार आईडी और हर सदस्य को 9 अंकीय सदस्य आईडी दी गई है। इससे ऑटो-वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को सक्षम बनाया गया है। इससे पात्रता निर्धारण स्वतः हो जाता है और अनावश्यक देरी व दोहराव समाप्त होता है। पोर्टल की प्रमुख विशेषता 'ऑटो-फेचिंग डॉक्युमेंट्स' है, जिससे नागरिकों को बार-बार दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता नहीं रहती।एक बार अपलोड किए गए दस्तावेज आगे की सेवाओं में स्वतः उपलब्ध हो जाते हैं।

सुगम, सुरक्षित एवं नागरिक केंद्रित 'ऐप-डिज़ाइन': एमपी ई-सेवा पोर्टल को मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ विकसित किया गया है। इसमें बहुभाषीय सुविधा के साथ दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष डिज़ाइन किया गया है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के नागरिक आसानी से इसका उपयोग कर सकें। प्लेटफ़ॉर्म पर अब तक 2 लाख 14 हजार से अधिक ट्रांसेक्शन दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें 3 हजार 446 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 1 लाख 64 हजार 600 से अधिक ट्रैक/डाउनलोड गतिविधियाँ और 45 हजार 954 समग्र पात्रता जांचें की गई हैं।

डिजिटल गवर्नेंस में प्रदेश की सशक्त उपस्थिति : राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण आकलन (एनईएसडीए) 2025 रिपोर्ट में मध्यप्रदेश ने 1752 ई-सेवाओं को मैप कर सभी 56 अनिवार्य विभागीय सेवाओं को 100 प्रतिशत एकीकृत करते हुए देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया।प्रदेश को 'सायबर तहसील' के लिए प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार तथा 'संपदा 2.0' के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस स्वर्ण पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं, जो डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में राज्य की उपलब्धियों को दर्शाते हैं।

हजारों विप्रजन शामिल, आज पशुपतिनाथ मंदिर में पूजन-अभिषेक व शोभायात्रा आयोजित, शहरभर में पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव : राष्ट्र भक्ति और गौरक्षा के संदेश के साथ ब्राह्मण समाज ने निकाली गई विशाल वाहन रैली

प्रवेश संवाद सागर

भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव की पूर्व संध्या पर ब्राह्मण समाज द्वारा नगर के प्रमुख मार्गों से वाहन रैली निकाली गई जिसमें परशुराम जी के जयकारे के साथ राष्ट्र भक्ति और गौमाता को राष्ट माता घोषित करने का संदेश प्रसारित किया गया रैली लगभग 2मिलोमीटर लंबी थी जिसमें दो पहिया और चार पहिया वाहन सम्मिलित थे।

युवा सर्व ब्राह्मण समाज बुंदेलखंड के अध्यक्ष पं. भरत तिवारी ने बताया कि 3 बजे से वाहनों की लाइन लगना प्रारंभ हो गई थी वाहनों को कतार में लगाने विप्रजन को पगड़ी बांधकर दुपट्टा पहनाने तिलक लगाने का कार्य संगठन के लोग कर रहे थे।महिलाएं लाल पगड़ी और लाल साड़ी पहनकर शामिल हुई सबसे आगे डीजे फिर महिलाओं के चार पहिया वाहन उसके पीछे वरिष्ठ जन के वाहन और सबसे पीछे युवाओं के दो पहिया वाहन कतार बद्ध रैली में शामिल रहे।

वाहन रैली को हरी झंडी पं.विपिनबिहारीजी, पं.बृजेश जी, नगर महापौर संगीता तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, अनिल तिवारी, डॉ सुखदेव मिश्रा, शिवशंकर मिश्रा, डॉ.बीरेंद्र पाठक, राजेंद्र पांडे, त्रिलोकी कटारे, मुकुल पुरोहित, मधु गुरु, संतोषसोहगौरा, रिशांक तिवारी, आदि ने दिखाई । जो सिविल लाइन से प्रारंभ होकर ठाकुर देवालय सदर में समापन हुई।

जगह जगह हुआ स्वागतः पं.प्रमेंद्र गोलू रिछारिया ने बताया वाहन रैली का सिविल लाइन में रीतेश तिवारी, कुलदीप राठौर, आनंद मोहन नायक अभिषेक पुरोहित, अतुल मिश्रा आदि ने आतिश बाजी करके स्वागत कियाऔर क्षत्रिय समाज से प्रीति सिंह, अर्चना सिंह, प्रणय सिंह आदि ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया, गोपालगंज श्यामलम से में रमाकांत मिश्रा, पार्षद रूपेश यादव, तहसीली में यादव महासभा से सुमित यादव, डॉ डी पी चौबे, रामू दुबे, मंत्री कार्यालय पर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, हरिराम सिंह आदि, कैलाशधाम चौराहा तिली में पार्षद मनोज चौरसिया, कैलाश चौरसिया, बसंत बिहार के सामने विनय मिश्रा, अरुण दुबे, इंद्रप्रस्थ के सामने रमेश मुन्ना रावत, दिनेश तिवारी, डब्बू गर्ग, द्वारका बिहार चौराहा पर इंजी राजेश मिश्रा, दिशा डेयरी पर सतीश यादव, अर्जुन कुर्मी, अटल पार्क के पास दीपक दुबे, वृंदावन बाग पर मनीष चौबे ने स्वागत किया।

कोतवाली घाटी पर हिमांशुराज मिश्रा, तीनबत्ती पर कांग्रेस कमेटी भूपेंद्र मुंहासा, महेश जाटव, राम शर्मा, शुकदेव प्रसाद तिवारी, अमित रामजी दुबे, राहुल चौबे, कटरा में बीजेपी से अमित बैसाखिया, श्रीकांत जैन, राधा तिराहा पर सुधीर तिवारी, कमलेश तिवारी, कबूलापुल शनि मंदिर पर सुरेंद्र चौधरी, गुरमीत इल्ले आदि ने स्वागत किया, शिवसेना के उपराज्य प्रमुख पं.पप्पू तिवारी ने बताया समापन स्थल ठाकुर देवालय सदर में गोपाल कटारे, संजय बाजपेई, श्यामसुंदर मिश्र, रविंद्र अवस्थी, सुधीर पांडेय, देवकुमार पांडेय शशांक दीक्षित, आदि ने परशुराम जी की महाआरती की व्यवस्था की।सुश्री दीपा तिवारी ने बताया प्रतिभा तिवारी, प्रतिभा चौबे, ऋतु तिवारी, सीमा तिवारी, अन्नपूर्णा अरजरिया, संध्या तिवारी, अर्पणा दुबे, सोनम तिवारी शामिल रहीं।

ये रहे उपस्थित : योगेश दीक्षित, रामचंद्र शर्मा, आशीष तिवारी, रानू तिवारी, रघु शास्त्री, दीनानाथ दुबे, रामचरण शास्त्री, श्रीराम दुबे, दीपक पौराणिक, अनिल अवस्थी, सुरेंद्र रिछारिया, अनिल दुबे, दुर्गेश दुबे, समर्थ दीक्षित सहित हजारों विप्रजन उपस्थित रहे।

20 अप्रैल को होगा महाभिषेक हवनः पुरोहित पुजारी विद्वत संघ के अध्यक्ष पं.शिवप्रसाद तिवारी ने बताया आज सोमवार को सुबह 9बजे से तिली रोड बैंक कॉलोनी स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में पूजन अभिषेक और हवन का कार्यक्रम होगा शाम 5बजे रामबाग मंदिर बड़ाबाजार से शोभायात्रा निकाली जायेगी।

पिकअप ने बाइक सवार को टक्कर मारी: एक पैर कटा, चालक फरार

प्रवेश संवाद बीना

बीना के खिमलासा क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मालवाहक वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, बरोदिया कलां थाना क्षेत्र के मालथौन निवासी धनराज लोधी (35) बाइक से खिमलासा से बरोदिया कलां जा रहे थे। इसी दौरान खिमलासा के मालथौन रोड पर गैस एजेंसी के पास तेज रफ्तार मालवाहक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि धनराज का एक पैर कटकर अलग हो गया। टक्कर के बाद मालवाहक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। आरक्षक राजेश्वर यादव और पायलट देवेंद्र सिंह राजपूत की मदद से घायल को बीना सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे भोपाल रेफर कर दिया गया। खिमलासा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बुंदेलखंड की पारंपरिक शस्त्र कला को वैश्विक पहचान दिलाने वाले गुरु को राजकीय सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

प्रवेश संवाद सागर

बुंदेलखंड की गौरवशाली परंपरा और प्राचीन शस्त्र कला 'अखाड़ा' को वैश्विक पहचान दिलाने वाले पद्मश्री (2026) के लिए चयनित अखाड़ा गुरु भगवानदास रायकवार 'दाऊ' जी का शनिवार 18 अप्रैल की रात को निधन हो गया। आज रविवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार हुआ।

मुख्यमंत्री ने जताया शोकः मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने पद्मश्री भगवान दास रायकवार की निधन पर श्रद्धांजलि अर्पितकर दुख व्यक्त किया एवं परिवार को दुख सहन करने की भगवान से प्रार्थना की। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने श्रद्धांजलि देते हुए दुख व्यक्त किया एवं अपने संदेश में कहा कि सागर ही नहीं संपूर्ण बुंदेलखंड एवं प्रदेश के लिए यह बहुत बड़ी क्षति है।

गार्ड ऑफ ऑनर दियाः सागर कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर एसडीएम अमन मिश्रा, तहसीलदार संदीप तिवारी के द्वारा मुक्तिधाम पहुंचकर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई एवं तिरंगा झंडा अर्पित किया गया। पुलिस विभाग के द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

भोपाल एम्स मे हुआ निधनः पद्मश्री भगवान दास रैकवार का भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में उपचार के दौरान अंतिम सांस ली। वे पिछले कई दिनों से अस्वस्थ थे और वेंटिलेटर पर जीवन की जंग लड़ रहे थे। परिजनों के अनुसार, दाऊ जी को पहले सागर के चैतन्य हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां 17 मार्च से उनका इलाज चल रहा था। हालत में सुधार न होने पर 7 अप्रैल को उन्हें बेहतर उपचार के लिए AIIMS भोपाल रेफर किया गया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। बीती रात्रि में उनके पुत्र राजकुमार रायकवार ने गहरे दुख के साथ उनके निधन की जानकारी दी। 83 वर्षीय भगवानदास रायकवार 'दाऊ' जी ने अपना पूरा जीवन बुंदेलखंड की पारंपरिक शस्त्र युद्ध कला 'अखाड़ा' के संरक्षण और प्रचार-प्रसार को समर्पित कर दिया। उनके अथक प्रयासों से इस प्राचीन कला को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली।

सागर में IMA का महिला स्वास्थ्य सम्मेलन, सशक्तिकरण और नीतियों पर हुआ मंथन

प्रवेश संवाद सागर

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) सागर शाखा ने महिला सशक्तिकरण और महिला स्वास्थ्य पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन 18 और 19 अप्रैल 2026 को सागर में आयोजित हुआ। उद्घाटन समारोह में विशेष अतिथि सागर महापौर श्रीमती संगीता तिवारी ने कहा कि एक समय बेटियों के अस्तित्व पर संकट था, लेकिन अब देश 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' से आगे बढ़कर 'बेटी बढ़ाओ' के युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने बताया कि सरकार की हर योजना के केंद्र में महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और सशक्तिकरण है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण और जल जीवन मिशन से 15.6 करोड़ ग्रामीण घरों में नल का पानी पहुंचने से महिलाओं की सुरक्षा और आत्मसम्मान बढ़ा है। उन्होंने राजनीति में महिलाओं को 33% आरक्षण दिए जाने का भी उल्लेख किया, जिससे महिलाएं अब निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

विशेष अतिथि श्रीमती अनुश्री शैलेन्द्र जैन ने कहा कि केंद्र सरकार ने महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना और सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (SUMAN) जैसी योजनाओं से मातृ स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। उज्ज्वला योजना के तहत 10.33 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन देकर महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली है।

उन्होंने 'स्वास्थ्य नारी, सशक्त परिवार अभियान' का जिक्र करते हुए बताया कि 13 लाख विवाहित महिलाओं का स्वास्थ्य सर्वेक्षण शुरू किया गया है, क्योंकि देश में 49% महिलाएं एनीमिया और 64% कुपोषण से प्रभावित हैं। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 'महिला-नेतृत्व वाला विकास' का आधार बताया और कहा कि इससे लगभग सत्तर करोड़ महिलाओं को नेतृत्व और प्रतिनिधित्व का नया अवसर मिलेगा।

विशेष अतिथि बीएमसी डीन डॉ. पी.एस. ठाकुर ने कहा कि भारत की प्रगति और विकास में नारी शक्ति हमेशा से केंद्र में रही है। आज भारतीय नारी ने विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना ली है। IMA सागर शाखा के आयोजन अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद ने बताया कि सम्मेलन के दूसरे दिन निष्कर्ष सत्र में महिला स्वास्थ्य नीतियों को और मजबूत बनाने संबंधी कई सिफारिशें तैयार की गईं। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्षों और सुझावों को क्षेत्रीय स्तर पर लागू करके महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को नई दिशा और गति मिलेगी।उन्होंने बताया के महिला स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने से मातृ मृत्यु दर में कमी आएगी, बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा और सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

पुनर्वास स्थल पर पानी-बिजली और वैकल्पिक मार्ग व्यवस्था पर फोकस: श्रीमति प्रतिभा पाल

बंडा सिंचाई परियोजना: 30 मई तक विस्थापन, मुआवजा भुगतान और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के कलेक्टर के निर्देश

प्रवेश संवाद सागर

बंडा परियोजना से प्रभावित सभी ग्राम वासियों को 30 मई तक करें विस्थापित, विस्थापन एरिया में मूलभूत सुविधाएं कराए उपलब्ध, शेष भू अर्जन की कार्रवाई पूर्ण करें। उक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल बंडा उल्दन सिंचाई परियोजना के संबंध में संबंधित अधिकारियों को दिए। परियोजना के ई ई अनिरुद्ध आनंद ने बताया कि बण्डा सिंचाई परियोजनांतर्गत तहसील बण्डा/बादरी/सागर अंतर्गत कुल मुआवजा/अनुदान राशि 198.27 करोड़ रूपये मात्र 2068 अवार्डियों को भुगतन हेतु शेष है। अनुविभागीय अधिकारी बण्डा / मालथौन / सागर प्रभावित ग्रामों के शेष अवार्डियों को मुआवजा/अनुदान राशि भुगतान हेतु भुगतान प्रस्ताव 10 दिवस के भीतर तैयार कर भू-अर्जन शाखा को प्रेषित करना सुनिश्चित करेंगें। पारित अवार्ड अनुसार राजस्व अभिलेख अद्यतन कर कराकर भुगतान प्रस्ताव के साथ राजस्व अभिलेख अद्यतन होने का प्रमाण पत्र भी संलग्न कर प्रस्तुत किया जावेगा।

भू-अर्जन प्रकरणों में मिसल बंदोबस्त में दर्ज रकवे से अर्जित भूमियों का वर्तमान खसरे में दर्ज रकवा अधिक पाया जाने पर अधिक दर्ज रकवे की वैधानिकता की जांच कर भुगतान कार्यवाही किये जाने हेतु आदेशित किया गया है परंतु तहसील बण्डा एवं बांदरी के प्रकरणों में पारित अवार्ड अनुसार अभिलेख अद्यतन कर अवार्ड संशोधन की कार्यवाही नहीं कराई गई है। अनुविभागीय अधिकारी बण्डा/मालथौन, तहसीलदार बांदरी, नायब तहसीलदार, बहरोल प्रकरणों का शीघ्र करें यदि बिना किसी वैधानिक आदेश के वर्तमान खसरे में अधिक रकवा दर्ज होना पाया जावे तो भू-अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 33 के तहत कार्यवाही सुनिश्चित कर अधिनिर्णय संशोधन की कार्यवाही पूर्ण कराकर मुआवजा राशि भुगतान की त्वरित गति से कार्यवाही की जाना सुनिश्चित करेंगे।

जल निगम द्वारा बताया गया कि पुनर्वासन स्थल ग्राम पनारी में भू-जल की उपलब्धता न होने के कारण ट्यूबबेल के माध्यम से पुनर्वासित व्यक्तियों को पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पा रही है तथा

बण्डा बांध में जल भराव होने के उपरांत ही पाईप से पेयजल लाईन के माध्यम उपलब्ध हो सकता है तब तक आसपास के निजी पेयजल स्त्रोत जिनमें पानी की उपलब्धता है का अधिग्रहण किया जावे।

अनुविभागीय अधिकारी बण्डा एवं मालथौन पुनर्वासन स्थल पर प्रभावित व्यक्तियों को पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु आवश्यकता अनुसार निजी ट्यूबबेल/कुआं अधिग्रहण की कार्यवाही की जाना सुनिश्चित की जाएगी।

आगामी वर्षा ऋतु गढ़पहरा-धामोनी मार्ग में तथा बण्डा-बांदरी मार्ग आंशिक रूप से डूब से प्रभावित हो जाने से 03 माह तक बंद होना संभावित है। जिस पर परियोजना प्रबंधक, बीना पी.एम.यू. जल संसाधन विभाग बण्डा सिंचाई परियोजना प्रभावित मार्गों के निकट मार्ग डायवर्सन के साइन बोर्ड लगवाये तथा सार्वजनिक समाचार पत्रों में सार्वजनिक सूचना प्रकाशन की कार्यवाही कराना सुनिश्चित करेंगे।परियोजना प्रबंधक, द्वारा बताया गया कि विस्थापित व्यक्तियों को विद्युत कनेक्शन प्राप्त किये जाने में कठिनाई आ रही है तथा ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम में उनका विद्युत कनेक्शन था परंतु उनसे पुनर्वासन स्थल पर विद्युत कनेक्शन हेतु पुनः शुल्क की मांग की जा रही है। कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग द्वारा बताया गया कि जिन व्यक्तियों के पूर्व के कनेक्शन है उनके कनेक्शन स्थानांतरित किये जाने की कार्यवाही की जावेगी। कार्यपालन अभियंता विद्युत यांत्रिकी विभाग बण्डा/बांदरी/मालथौन पुनर्वासन स्थल ग्राम पनारी तहसील बण्डा, ग्राम पिथौली तहसील बांदरी में आगामी 07 दिवस तक कैंप का आयोजन कर पुनर्वासित व्यक्तियों को शतप्रतिशत विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी ।

परियोजना प्रबंधक, द्वारा बताया गया कि प्रथम जल भराव में ही 457 मीटर Crest Level पर ग्राम बहरोल, उल्दन, पिपरिया इल्लाई, सलैया खुर्द, हनौता उबारी, किरोला, कुल्ल तहसील बण्डा तथा ग्राम मुडिया गुसाई तहसील मालथौन के लगभग 386 मकान डूब क्षेत्र में प्रभावित हो जावेगे जिससे प्रभावित मकानों में निवासरत कुटुंबों का दिनांक 31/5/2026 तक पुनर्वासन किया जाना अत्यंत ही आवश्यक है। अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, बण्डा/मालथौन प्रभावित कुटुंबों का शतप्रतिशत पुनर्वासन दिनांक 31/5/2026 के पूर्व कराया जाना सुनिश्चित करें तथा इसके लिये जिन विभागों से कार्यवाही अपेक्षित हो उनसे सतत् समन्वय स्थापित कर पुनर्वासन स्थल पर कार्यवाही पूर्ण कराई जावे। इस कार्य में जल संसाधन विभाग द्वारा भू-अर्जन अधिकारियों को आवश्यक सहयोग एवं अमला उपलब्ध कराया जावेगा।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर अविनाश रावत, एसडीएम मनोज चौरसिया, एसडीएम श्रीमति आरती यादव, एसडीएम मुनव्वर खान सहित परियोजना से संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

छात्र ने लगाई फांसी: रहली में 21 साल के युवक का शव फंदे पर मिला

• मोबाइल कॉल डिटेल की जांच होगी

प्रवेश संवाद रहली

रहली स्थित वार्ड क्रमांक-6 में रविवार सुबह 21 वर्षीय बीकॉम के छात्र ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार रात वह कमरे में मोबाइल चला रहा था और सुबह मां ने उसे फंदे पर लटके देखा। रहली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामला दर्ज कर लिया है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए युवक का मोबाइल जब्त कर कॉल डिटेल की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, वार्ड क्रमांक-6 (रहली) निवासी यशवंत बेलदार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। यशवंत ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। दूसरे नंबर का बेटा गौरव बेलदार (21) सागर के ऑर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज से बीकॉम सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। शनिवार रात करीब 12 बजे यशवंत घर पर टीवी देख रहे थे और गौरव अपने कमरे में मोबाइल चला रहा था। इसके बाद यशवंत सो गए। रविवार सुबह करीब 5 बजे पत्नी संध्या सोकर उठीं। कुछ देर बाद वह कमरे में गईं, तो देखा कि गौरव फंदे पर झूल रहा है।

पत्नी के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य लोग कमरे में पहुंचे। परिजनों ने फंदे की रस्सी काटकर गौरव को नीचे उतारा और तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर रहली पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया।फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। युवक के आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया है और उसकी कॉल डिटेल निकाली जा रही है।

किसानों ने मुख्यमंत्री के पुतले की आंखों पर पट्टी बांधी, बीना में गेहूं स्लॉट

• बारदाने की कमी पर लोगों ने किया प्रदर्शन

प्रवेश संवाद बीना

बीना में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पुतले की आंखों पर पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन गेहूं के स्लॉट बुक न होने, समर्थन मूल्य खरीदी केंद्रों पर बारदानों की कमी और गिरदावरी सत्यापन में आ रही समस्याओं के विरोध में किया गया। घटना सर्वोदय चौराहा पर हुई। प्रदर्शन के दौरान किसानों और पुलिस के बीच मुख्यमंत्री का पुतला छीनने को लेकर झूमाझटकी भी हुई। पुलिस ने

पुतले को छीन लिया क्योंकि उन्हें आशंका थी कि किसान उसका दहन कर सकते हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सीताराम ठाकुर ने बताया कि गेहूं के स्लॉट बुक नहीं हो पा रहे हैं, जिससे किसान कई दिनों से परेशान हैं। साथ ही, समर्थन मूल्य खरीदी केंद्रों पर बारदाने (बोरे) खत्म हो गए हैं, जिसके कारण किसानों की उपज की तुलाई रुक गई है। किसान अपनी फसल लेकर केंद्रों पर पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। ठाकुर ने यह भी बताया कि पटवारी द्वारा की गई गिरदावली को सैटेलाइट ने असत्यापित कर दिया है, जिससे किसानों की समस्याएं और बढ़ गई हैं। पुलिस ने संभावित पुतला दहन को रोकने के लिए पहले से ही नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को मौके पर तैनात कर दिया था। इस दौरान एसडीओपी अजय सनकत, थाना प्रभारी अनूप यादव सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद था। किसान मोर्चा के संभागीय अध्यक्ष सीताराम ठाकुर के साथ प्रतिपल ठाकुर, राजा ठाकुर, अवधेश पटेल, संजय पटेल, राघवेंद्र ठाकुर सहित कई अन्य किसान भी प्रदर्शन में शामिल रहे।

राजघाट पेयजल परियोजना का कलेक्टर ने किया निरीक्षण: गुणवत्ता जांच, सप्लाई व्यवस्था देखी

प्रवेश संवाद सागर

सागर की लाइफ लाइन राजघाट पहुंचकर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने पानी की गुणवत्ता एवं लॉग बुक की जांच की सप्लाई शुद्धता की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री, उपायुक्त एस एस बघेल, इंजीनियर संजय तिवारी, सब इंजीनियर राहुल रैकवार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आज सागर की लाइफ लाइन राजघाट पहुंचकर शहर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल शोधन प्रक्रिया, जल गुणवत्ता परीक्षण प्रणाली तथा संबंधित अभिलेखों की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती पाल ने पानी की गुणवत्ता जांच से संबंधित लॉग बुक का अवलोकन किया तथा मौके पर ही जल नमूने की जांच कराई। अरुण टाटा एवं नगर निगम की इंजीनियरों से सप्लाईएवं शुद्धता के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। परीक्षण में पानी का पीएच स्तर 7.30 पाया गया, जो मानक अनुरूप एवं पेयजल हेतु उपयुक्त है। उन्होंने उपस्थित केमिस्ट से परीक्षण प्रक्रिया, उपयोग किए जा रहे रसायनों एवं गुणवत्ता नियंत्रण की पद्धति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने क्लोरीन हाउस का भी निरीक्षण किया तथा टाटा द्वारा निर्मित 5.7 एमएलडी क्षमता वाले फिल्टर हाउस में स्थापित स्काडा (SCADA – Supervisory Control and Data Acquisition) सिस्टम का अवलोकन किया। उन्होंने सिस्टम के माध्यम से जल आपूर्ति की निगरानी एवं नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी ली तथा इसके प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लीकेज की लगातार मॉनिटरिंग की जाए एवं सुधार कार्य किया जावे। कहीं भी किसी भी प्रकार के दूषित पानी का वितरण न हो इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जावे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेयजल की गुणवत्ता पर निरंतर निगरानी रखी जाए और नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बताया गया कि सागर की लाइफ लाइन राजघाट परियोजना में सागर नगर के 48 वार्ड एवं मकरोनिया सागर के 18 वार्ड तथा छावनी मंडल में लगभग 6 लाख की आबादी को जल प्रदान किया जाता है। बांध की क्षमता 62.67 लाख घन मीटर है जल संग्रहण क्षेत्र 472 वर्ग किलोमीटर है। फिल्टर हाउस की क्षमता 88.20 एमएलडी की है। जल वितरण प्रणाली के अंतर्गत कुल 8 ओवर हैड टैंक नगर निगम क्षेत्र में स्थापित किए गए हैं जिसमें 390 किलोमीटर नवीन एवं 40 किलोमीटर पुरानी पाइप लाइन का नेटवर्क स्थापित है। 1 जनवरी 2025 से टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड द्वारा एमपी यूडीसी के मार्गदर्शन में संचालन एवं संधारण किया जा रहा है।